

পাহাড়ী-কানাড়া মিশ্র — রূপক

বিরহের গুলবাগে মোর ভুল ক'রে আজ
ফুটলো কি বকুল ।
অবেলায় কুঞ্জবীথি মুঞ্জরিতে
এলে কি বুলবুল ॥

এলে কি পথ ভুলে মোর আঁধার রাতে
মুম-ভাঙানো চাঁদ,
অপরাধ ভুলেছ কি, ভেঙেছ কি
অতিমানের বাঁধ ॥

প্রদীপ নিতে আসে — ইহারি ক্ষীণ আলোকে,
দেখে নিই শেষ দেখা যত সাধ আছে চোখে ;
মরণ আজ মধুর হ'ল পেয়ে তবচরণ রাতুল ॥

হে চির-সুন্দর মোর, জীবন-সন্ধ্যা মম,
রাঙালে রাঙা-রঙে, উদয় উষার সম ;
বারে পড়ুক তব পায়ে আমার এ জীবন-মুকুল ॥

সা	III	সা - না	রা - মা		মা - পা	প'মা		জ্ঞা - না	রা -		সা - না	I			
বি		র	হে	র	গু	ল	বা	গে	০	মো	ৰ	ভু	ল	ক'	
		বে	০	লা	য	কু	ন	জ	বী	০	থি	০	মু	ন	জ

I	সা - না		রা - না	সা		রা -	না	রপা - মপা		মজ্জা - না	সা	II			
রে	০	আ	জ	ফু	ট	লো	কি	০	ব	০	০০	কু	০	ল	অ
রি	০	তে	০	এ	০	লে	কি	০	বু	০	ল০	বু	০	ল	বি

সা	II	সা - না	রমা - পধা		ধা - না	ধা		ধা - না	গধা - পমা		মা	রমা - না	I					
এ		লে	০	কি	০	০০	প	থ	ভু	লে	০	মো	ৰ	০	আ	ধা	০	ৰ

I মপা - পা - ন | মপা - ধা ধা | ধা - নধা - পমা | মপা - ন - মা I
রাং ০ তে ০ শুঁ ম্ ভা ঙ্গ ০ ন০ ০০ চাঁ ০ ০ ০

I -গমা - গরা - সা - ন | -সরা - সরা - গা | -সা - ন - ন | ন ন ন সা I
০০ ০০ ০ ০ ০০ ০০ ০ ০ ০ ০ দ্ ০ ০ অ

I সা - রা - মা | মা - পা - মা | মজা - ন - রা - ন | সা - ন - ধা I
প ০ রা ধ্ ভু ০ লে ছ ০ কি ০ তে ০ তে

I সা - সা - ন | রা - ন - সা | রা - ন - রপা - মপা | মজা - ন - ন II
ছ ০ কি ০ অ ০ ভি মা ০ নে০ রং বাঁ ০ ধ ০

শ্রেয়র * II গমা গমা - পধা - না - ধা না না | না নর্সা - সনা - ধনা - ধা - না I
প্র০ দী০ ০০ ০ প্ নি তে আ সে০ ০০ ০০ ০ ০ ০

I নর্সা সৰী সৰী - ন - সৰী | সৰী সৰী - ন - ন - ন - ন I
ই০ হা রি ০ ক্ষী ণ আ লো কে ০ ০ ০ ০ ০ ০

I ধনা না না না নর্সা - নর্সা - র্সা | নর্সা সৰী - ন - ন - ন - ন I
দে০ খে নি ই শে০ ০০ ষ্ দে খা ০ ০ ০ ০ ০ ০

I না না না - না সনা - ধপা | পধা পা - ন - ন - ন - ন সা I
য ত সা ধ্ আ ছে০ ০০ চো০ খে ০ ০ ০ ০ ০ য

তালে II সা - রা - মা | মা ম'পা - ম'মা | মজা - ন - রা - ন | সা - ন - ধা I
র ণ আ জ্ ম ধু র হ' ০ ল ০ পে ০ যে

I स -ा स -ा | रा -ा सा | रा -ा रपा -मपा | मज्जा -ा सा II
 त ० ब ० च ० र ० ग ० रा० ०० त० ल् बि

शेरू* II पा पा पा पक्षा -गद्धा -गा गपा | -पा पा -ा -ा -ा I
 हे चि र स० ०० न् द० र म० ०००० र

I श्वा पा पना -धना -धा धा -धा | पा -क्षपक्षा -गा गमा गा -ा I
 जी व न० ०० ० स न् ध्या ०००० ० म० म० ०

I गमा -मा मा -ा मा गमा -पा | -मपा -गा नदा धा -दा -पदपा -मा I
 रा० ङ्गा ले० रा० ङ्गा० ० ०००० र० ञ्जे० ० ००००

I मा मा गमगा -खा गा गमा -ा | -गमपा -नदा नदा -पा -दपा -दमा -ा I
 उ द य०००० उ ष्ट०००० ०००००० र० स० म००००००

I मा -ा -खा खा खा सा | -ा -ा सा सा -ा सा II
 हे०००० चि र सु न्०००० द र०००० र००००

ताले II सा -ा रा० मा० | मा० पा० मा० | मज्जा० रा० | सा० धा० I
 रे० प० डु० क० त० व० पा० य० आ० मा०

I सा -ा सा -ा | रा० सा० | रा० रपा -मपा० | मज्जा० सा II II
 र० ए० जी० ब० न० य००० क० ल् बि

* 'शेरू' साधारणत ताले गाओया हय ना; एই हेतु 'शेरू' गाहिबार समय संस्कृत बङ्ग राखाइ नियम। 'शेरू' गाओयार पर येथाल ह'ते संस्कृत चलबे तार आगे 'ताले' एই कथाटि लेखा ह'ल।